उत्खनन | पुलिस और वन विभाग पर महीना वसूली का आरोप, कार्रवाई शून्य

वन और राजस्व सीमा पर बेखौफ रेत उत्खनन

नवभारत, गोहपारू । गोहपारू थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोचकी, सरसी और सोन नदी के तटीय इलाकों में रेत का अवैध कारोबार अब बेहद गंभीर मोड़ ले चुका है। वन विभाग (फॉरेस्ट) और राजस्व विभाग की सीमाओं का फायदा उठाकर रेत माफिया प्रतिबंधित क्षेत्रों से धड़ल्ले से रेत निकाल रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पर्यावरण की रक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेदार-पुलिस और फॉरेस्ट विभाग- मूकदर्शक बने हुए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि दोनों विभागों के कुछ जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी ट्रैक्टर वालों से श्महीनाश् (बंधी-बंधाई रिश्वत) ले रहे हैं, जिसके कारण इस अवैध कारोबार पर कोई लगाम नहीं लग पा रही है।

राजस्व की सीमा बनी माफियाओं का सेफजोन

ग्राम सरसी और बोचकी से सटी सोन नदी का एक बड़ा हिस्सा वन विभाग की सीमा (फॉरेस्ट लैंड) से छूता है। नियमानुसार इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का खनन या वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। लेकिन रेत माफ्मिाओं ने इस सीमा विवाद और तकनीकी उलझन को अपना सुरक्षा कवच बना लिया है। जब भी शिकायत होती है, वन विभाग इसे राजस्व का मामला बताकर पल्ला झाड़ लेता है, और राजस्व विभाग इसे फॉरेस्ट की जमीन कहकर अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट जाता है। इसी खींचतान का फायदा उठाकर हर रोज दर्जनों ट्रैक्टर वन क्षेत्र की सड़कों को रौंदते हुए रेत की चोरी कर रहे हैं।

ये कर रहे हैं रेत की चोरी

पैलवाह से दादा भाई पॉवरट्रैक ट्रेक्टर से, देवरी से सिंह हैं मैसी ट्रैक्टर से, बोचकी से सिंह गोंड, बोचकी से कोल, रावी पैलवाह से महीना फिक्स, इसलिए ट्रैक्टरों को खुली छूट । ग्रामीणों और सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, इस पूरे इलाके में अवैध रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टर चालकों और मालिकों से बकायदा महीना वसूला जाता है।

क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है नदी से लेकर मुख्यमार्ग तक पुलिस और फॉरेस्ट के कर्मचारियों की पूरी नजर रहती है। इसके बावजूद बिना किसी डर के ट्रैक्टर दिन-रात दौड़ रहे हैं। इसका सीधा मतलब है कि ऊपर से नीचे तक सबको उनका हिस्सा मिल रहा है। श्महीनाश् तय होने के बाद खाकी और हरा अमला अपनी आंखें मूंद लेता है।

कार्रवाई सिर्फ कागजों पर, धरातल पर माफिया हावी

अवैध उत्खनन के कारण सोन नदी का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह बिगड़ चुका है, और वन क्षेत्र की हरियाली व वन्यजीवों के शांतिपूर्ण माहौल पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है। शासन को हर महीने लाखों के राजस्व की हानि हो रही है। जब भी मीडिया या ग्रामीणों का दबाव बढ़ता है, तो दिखावे के लिए किसी एक-दो ट्रैक्टर पर मामृत प्लानी कार्रवाई कर दी जाती है, जबकि मुख्य सरगना और माने पर चल रहा यह सिंडिकेट परी तरह सरक्षित रहता है।

चोर गिरफ्तार, बाइक व दो मोबाइल बरामद

17 दिन बाद पुलिस को मिली सफलता, मोटरसाइकिल और मोबाइल जब्त

नवभारत, धनपुरी। धनपुरी पुलिस ने घर में घुसकर मोटरसाइकिल, मोबाइल और नगदी चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल एवं दो एंड्रॉयड मोबाइल बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 मई 2026 को ग्राम बण्डी खुर्द निवासी लालजी बैगा (27) ने थाना धनपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 मई की रात वह अपने परिवार के साथ घर के अंदर सो रहा था। उसने अपना मोबाइल रियलमी सी-35, पत्नी अंजली बैगा का वीवो वाई-22 मोबाइल तथा पर्स, जिसमें 12 हजार रुपये नकद रखे थे, कमरे में कूलर के ऊपर रखा था। वहीं उसकी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 18 जेडबी 7309 घर के बाहर आंगन में खड़ी थी।

अगली सुबह करीब 6 बजे जब वह जागा तो दोनों मोबाइल, पर्स और मोटरसाइकिल गायब मिले। किसी अज्ञात चोर द्वारा रात के समय घर में घुसकर चोरी किए जाने की आशंका पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 126/2026 के तहत धारा 331(4) एवं 305(ए) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एस, डी, ओ,, पी विकास पाण्डेय धनपुरी के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 30 मई 2026 को पुलिस ने आरोपी सोमनाथ बैगा पिता रामचरण बैगा उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम लालपुर मौहारटोला थाना बुढ़ार, हाल निवासी ग्राम देवगवां, नवीन थाना खैरहा जिला शहडोल को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद आरोपी के कब्जे से चोरी गई हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 18 जेडबी 7309 तथा दो एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए गए। बरामदगी के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय जेआर के समक्ष प्रस्तुत किया गया इस कार्यवाही धनप्रीत पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही सराहनीय थी।

एक नजर में

जल संकट के बीच नगर पालिका के टैंकर ने दी राहत

नवभारत,शहडोल । घरौला मोहल्ला वार्ड नंबर 19 में पानी की समस्या को लेकर वार्ड वासियों ने मनोनीत पार्षद विनय केवट से की शिकायत वार्ड वासियों की शिकायत पर मनोनीत पार्षद विनय केवट ने नगर पालिका के अधिकारियों व जल कर्मियों से बात कर शनिवार को घरौला मोहल्ला वार्ड नंबर 19 तालाब की भीट वाली बस्ती में पानी का टैंकर वार्ड वासियों को उपलब्ध कराया नगर में इन दिनों भीषण गर्मी के करण शहडोल नगर पालिका क्षेत्र के कई स्थानों पर पानी की भारी समस्या लोगों को हो रही है इसी बीच राहत की बात यह भी है कि नगर पालिका द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारियों की सजकता से कुछ हद तक टैंकर के माध्यम से वार्ड में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है मनोनीत पार्षद विनय केवट ने लोगों से अपील की है कि इस भीषण गर्मी में पानी की किल्लत को देखते हुए पानी का दुरुपयोग बिल्कुल भी ना करें और जल संरक्षण की दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए घर में वाटर हार्वेस्टिंग जरूर स्थापित करें।

तंबाकू का सेवन न करने की ली गई शपथ

नवभारत,शहडोल । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में 25 मई से 31 मई तक निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी अनुक्रम में जिला चिकित्सालय परिसर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफकी उपस्थिति में तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। डॉ. पुनीत श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक 500 से अधिक लोगो की काउंसलिंग की गई तथा उन्हें निकोटिन रिप्लेसमेंट थैरेपी के लिए च्यूइंगम खिलाया गया एवं 7 व्यक्तियो द्वारा तंबाकू सेवन छोड़ दिया गया एवं जिला जिला चिकित्सालय परिसर में तंबाकू का सेवन करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 16000 रूपये का अर्थदंड लगाया गया। इस अवसर पर डॉ. सीजा जान, डॉ. वैभवी तिवारी, नितिन मंगलानी सहित अन्य चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉप उपस्थित रहें।

बुढार को मिली प्रशासनिक सौगात, क्षेत्र में हर्ष की लहर

तहसील मुख्यालय में शीघ्र प्रारंभ होगा एसडीएम न्यायालय

नवभारत, बुढार। नगर एवं ग्रामीण अंचल के नागरिकों के लिए एक अत्यंत सुखद, बहुप्रतीक्षित और जनहितकारी समाचार सामने आया है। वर्षों से लंबित अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय एवं न्यायालय की स्थापना की मांग अब साकार होती दिखाई दे रही है। बुढार तहसील के नागरिकों, अधिवक्ताओं और जनप्रतिनिधियों के सतत प्रयासों ने आखिरकार प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार,

आगामी सोमवार से बुढार तहसील परिसर में ही एसडीएम न्यायालय का संचालन प्रारंभ होने की संभावना है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे अधिवक्ता ओंकार गुप्ता द्वारा प्रशासन को सौंपा गया प्रभावी ज्ञापन एक निर्णायक पहल माना जा रहा है। उनके प्रयासों के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हुई और वर्षों पुरानी मांग अब मूर्त रूप लेती नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि बुढार तहसील के गठन को लगभग डेढ़ दशक से अधिक समय व्यतीत हो चुका है।

इसके अंतर्गत बुढार, धनपुरी, बकहो सहित लगभग 76 गांव एवं नगर परिषद क्षेत्र आते हैं। इसके बावजूद राजस्व एवं प्रशासनिक मामलों के निस्तारण हेतु लोगों को आज भी लगभग 24 किलोमीटर दूर सोहागपुर तक का लंबा सफर तय करना पड़ता था। इस दूरी ने आमजन के समय, श्रम और आर्थिक संसाधनों पर निरंतर भार डाला। एसडीएम न्यायालय के स्थानीय स्तर पर प्रारंभ होने से अब राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही आमजन को अनावश्यक भागदौड़ से मुक्ति मिलेगी तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और गति आएगी। स्थानीय नागरिकों एवं अधिवक्ता संघ में इस निर्णय को लेकर विशेष उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण व्याप्त है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि यह कदम न केवल बुढार के प्रशासनिक विकास को नई दिशा देगा, बल्कि भविष्य में स्थायी न्यायालय भवन एवं अन्य शासकीय सुविधाओं की स्थापना का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। बुढार की धरती पर न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था का यह नया अध्याय क्षेत्र के विकास को और अधिक सुदृढ़ एवं गतिशील बनाएगा।

मनीष शर्मा जिला विद्युत सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत

नवभारत,शहडोल। प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देश तथा जिला संगठन की अनुशंसा पर कलेक्टर शहडोल द्वारा समाजसेवी एवं सक्रिय जनप्रतिनिधि मनीष शर्मा को जिला विद्युत सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन से सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जिला विद्युत सलाहकार समिति का सदस्य बनाए जाने पर मनीष शर्मा ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, जिला प्रशासन, जिला संगठन एवं नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जनहित की भावना के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा

कि समिति के माध्यम से जिले की विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बेहतर बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का प्रयास किया जाएगा।मनीष शर्मा के मनोनयन पर संगठन पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। लोगों का कहना है कि उनके समिति में शामिल होने से जिले की बिजली व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनेगी।

सोशल मीडिया समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम : कुलगुरु प्रो. रामशंकर

नवभारत, शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की बैठक लेकर डिजिटल युग में सोशल मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल युग का है, जहाँ सोशल मीडिया समाज की दिशा और दशा दोनों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि यदि सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ किया जाए तो यह समाज में जागरूकता, शिक्षा और प्रेरणा का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी प्रमुख मंच है।उन्होंने विश्वविद्यालय और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे युवाओं को रचनात्मक दिशा प्रदान की जा सकती है। कुलगुरु ने कहा कि इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शोध, नवाचार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक सरोकारों को व्यापक स्तर पर समाज तक पहुंचाया जा सकेगा। बैठक का उद्देश्य सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग, समाजोन्मुखी गतिविधियों के प्रचार-प्रसार तथा विश्वविद्यालय स्तर पर एक सशक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने को लेकर विचार-विमर्श करना था।

पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष की दबंगई सीसीटीवी में कैद

आरके अर्थ टेक विवाद में नया मोड़

नवभारत,बुढार। शारदा माइंस में कार्यरत आरके अर्थ टेक कंपनी और स्थानीय नेताओं के बीच चल रहा विवाद अब गंभीर मोड़ लेता दिखाई दे रहा है। मामले में भाजपा मंडल बुढार के पूर्व अध्यक्ष कामाख्या राय का एक कथित सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। फुटेज में कामाख्या राय अपने समर्थकों के साथ कंपनी कार्यालय में प्रवेश करते नजर आ रहे हैं। आरोप है कि इस दौरान कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और दबाव बनाने जैसी गतिविधियां हुईं। कंपनी

से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ समय से आरके अर्थ टेक पर स्थानीय स्तर पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। रोजगार और स्थानीय हितों के नाम पर शुरू हुआ विवाद अब खुले टकराव की स्थिति में पहुंचता दिखाई दे रहा है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया योग्यता और आवश्यकता के आधार पर की जाती है, बावजूद इसके कुछ लोगों द्वारा आंदोलन और विरोध के माध्यम से दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। 23 मई को हुए कथित आंदोलन को लेकर भी कई सवाल उठे थे। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने दावा किया था कि भीड़ जुटाने के लिए उन्हें पैसे देकर बैठाया गया था। इसके बाद आंदोलन की वास्तविक मंशा और गंभीरता पर भी सवाल खड़े होने लगे थे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा संगठन की भूमिका पर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष शहडोल में आयोजित व्यापारिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में उद्योगों को प्रोत्साहित करने की बात कही थी। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि यदि राजनीतिक दबाव और धमकी का माहौल बनेगा तो क्षेत्र में निवेश और रोजगार दोनों प्रभावित हो सकते हैं। स्थानीय नागरिकों और खनन क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि शारदा माइंस और उससे जुड़े कार्य सैकड़ों परिवारों की आजीविका का आधार हैं। ऐसे में राजनीतिक हस्तक्षेप और विवादों के बजाय क्षेत्र के विकास, रोजगार और औद्योगिक वातावरण को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

ईद-उल-अज़हा पर कुर्बानी मोहब्बत और भाईचारे का पैग़ाम

बुढ़ार में विशेष नमाज़ अदा कर मांगी अमन-चैन और सौहार्द की दुआएं

नवभारत ,बुढ़ार। कुर्बानी,त्याग, समर्पण और इंसानियत का संदेश देने वाला पवित्र पर्व ईद-उल-अज़हा पूरे अक़ीदत और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बुढ़ार में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने उपस्थित होकर विशेष नमाज़ अदा की तथा देश, प्रदेश और समाज में अमन, शांति, प्रेम और भाईचारे की दुआएँ मांगीं।

जामा मस्जिद के इमाम मौलाना उबेद ने अपनी प्रभावशाली तकरीर में कहा कि कुर्बानी हर धर्म में ईश्वर को पाने का सबसे प्रबल माध्यम मानी गई है। इस्लाम में कुर्बानी का वास्तविक अर्थ केवल पशु की कुर्बानी नहीं, बल्कि अपनी सबसे प्रिय वस्तु और अपनी इच्छाओं को अल्लाह की राह में त्याग देना है। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अज़हा का पर्व हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम और उनके पुत्र हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम की अल्लाह की राह में दी गई महान कुर्बानी की याद दिलाता है, जो इंसानियत, आज्ञाकारिता और समर्पण की सर्वोच्च मिसाल है। तकरीर के उपरांत प्रात: 8:30 बजे मौलाना उबेद ने ईद-उल-अज़हा की विशेष नमाज़ अदा कराई। नमाज़ के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर नेहरू महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. मोहम्मद हुसैन एवं अधिवक्ता मोहम्मद हारुन अंसारी द्वारा अपने निवास पर भव्य दावत-ए-ईद का आयोजन किया गया, जिसमें जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने सपरिवार शिरकत कर सभी को ईद-उल-अज़हा की शुभकामनाएँ दीं। ईद मिलन समारोह में विभिन्न वर्गों एवं समुदायों के लोगों की गरिमामयी उपस्थिति ने गंगा-जमुनी तहज़ीब, सामाजिक एकता और भाईचारे की सुंदर मिसाल पेश की।

दोपहर से लेकर देर रात्रि तक मेहमाननवाज़ी और मुहब्बत का सिलसिला चलता रहा। पूरा वातावरण धार्मिक आस्था, आत्मीयता और इंसानी मोहब्बत की खुशबू से सराबोर दिखाई दिया। ईद-उल-अज़हा का यह पर्व लोगों के दिलों को जोड़ने, त्याग और करुणा की भावना को मजबूत करने तथा समाज में एकता और सौहार्द का संदेश देने वाला साबित हुआ।

मेला | गोहपारू के सगरा में कृषि मेला-संगोष्ठी

250 किसानों को जैविक खेती का दिया गया प्रशिक्षण

नवभारत,शहडोल। जिले में मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत विकासखंड गोहपारू के ग्राम सगरा में एक दिवसीय हरी खाद मेला सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 250 प्रगतिशील किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक एवं जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहायक संचालक कृषि अनुराग पटेल ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं परंपरागत कृषि विकास योजना के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब तक जिले के 4081 किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती से जोड़ा जा चुका है, जबकि गोहपारू

विकासखंड के लगभग 1000 किसान इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में जीवांश कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ती है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति और जलधारण क्षमता में सुधार होता है। साथ ही किसानों को ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत उर्वरक वितरण एवं कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी गई। उन्होंने किसानों को ढैंचा, सनई और मूंग जैसी फसलों को हरी खाद के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हरी खाद मिट्टी का वरदान है, जो कम लागत में अधिक मुनाफे का रास्ता खोलती है।संगोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक डॉ. नितिन सिंघाई ने किसानों को हरी खाद के वैज्ञानिक उपयोग की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ढैंचा, सनई और मूंग जैसी फसलों को 40 से 45 दिन बाद खेत में पलट देना चाहिए तथा 8 से 10 दिन बाद रोपाई या बोवाई का कार्य करना चाहिए। इससे रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया और डीएपी पर निर्भरता कम होती है तथा खेती की लागत में कमी आती है।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग द्वारा जनप्रतिनिधियों के हाथों किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले हरी खाद के मिनीकिट (बीज) नि:शुल्क वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्राम सगरा की सरपंच जयमंती सिंह, उप सरपंच लालसिंह, पंच भवानी सिंह, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी प्रदीप कुशवाहा, चंद्रभान सिंह, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी पंकज चौधरी, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कमलेश्वर सिंह, वी.एस. मंडावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।